भारत रत्न डॉ० भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, लखनऊ का शिलान्यास कार्यक्रम

दिनांक : 29 जून, 2021 | समय : पूर्वाह्न 11:30 बजे
स्थान : मुख्य सभागार, लोक भवन, लखनऊ

सेवा में,

.....

.....

.....

प्रेषक:

राजेन्द्र कुमार तिवारी
मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश

मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार

श्री राम नाथ कोविन्द

माननीय राष्ट्रपति, भारत गणराज्य

के कर-कमलों द्वारा

भारत रत्न डॉ० भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, लखनऊ

के

शिलान्यास कार्यक्रम

के अवसर पर आपको मंगलवार, 29 जून, 2021, पूर्वाह्न 11:30 बजे
मुख्य सभागार, लोक भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में
सादर आमंत्रित करते हैं।

गरिमामयी उपस्थिति

योगी आदित्यनाथ
मा० मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
मा० राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

उत्तरापेक्षी
राजेन्द्र कुमार तिवारी
मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश

भारत सरकार द्वारा डॉ0 भीमराव आंबेडकर जी की अक्षुण्य स्मृति में किये गये महत्वपूर्ण कार्य

- भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर नेशनल मेमोरियल, नई दिल्ली का लोकार्पण मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा सन् 2018 को किया गया।
- आंबेडकर की जन्मभूमि महू, दीक्षा भूमि नागपुर और राजगृह तथा मुम्बई से स्मृति चिन्ह लाकर इसमें रखे गये हैं। नेशनल मेमोरियल के मुख्य गुम्बद के नीचे संविधान की मूल प्रति को रखा गया है।
- आंबेडकर पर एक पोर्टल भी तैयार किया गया है, जिसमें हिन्दी, उर्दू, पंजाबी, तमिल, तेलुगू, मलयालम, गुजराती और उड़िया सहित कई भारतीय भाषाओं में जानकारी उपलब्ध है।
- प्रधानमंत्री जी द्वारा सन् 2015 में लंदन में आंबेडकर मेमोरियल का उद्घाटन किया गया।
- मुम्बई के दादर के शिवाजी पार्क स्थित इंदू मिल में डॉ0 आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में बाबा साहब की 107 मीटर ऊँची प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय।

भारत रत्न डॉ० भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का लेआउट प्लान

भारत रत्न डॉ० भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र

का

शिलान्यास

कार्यक्रम स्थल : मुख्य सभागार, लोक भवन, लखनऊ

दिनांक : 29 जून, 2021

एक परिचय

उत्तर प्रदेश मानवता की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के विशाल संग्रह के लिए सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। प्राचीनता, निरन्तरता, सहिष्णुता, गृहशीलता, आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का अद्भुत समन्वय ही प्रदेश की बहुआयामी संस्कृति की मूल विशेषता है।

कुरु, पांचाल, काशी और कोसल राज्य वैदिक संस्कृति के प्रमुख केन्द्र रहे हैं। भगवान राम, भगवान कृष्ण की जन्मभूमि होने के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश में सनातन, बौद्ध, जैन धर्म और नाथ संप्रदाय की समृद्ध परंपरा है। शास्त्रीय नृत्य रूप कथक की उत्पत्ति उत्तर प्रदेश में ही हुई है। ऐतिहासिक स्मारकों, अभिलेखों, पाण्डुलिपियों, कलाकृतियों के साथ क्रमशः ललित-कलाओं, दृश्य-कलाओं एवं प्रदर्शन-कलाओं की दृष्टि से भी यह प्रदेश अद्वितीय है। वस्तुतः यह कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश हजार रंगों का राज्य है। इस अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित, संवर्धित एवं सुदृढ़ीकरण करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश की स्थापना सन् 1957 में की गयी थी। अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु विभाग निरन्तर प्रयासरत है।

संस्कृति विभाग द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना लखनऊ में की जा रही है।

भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला एवं संस्कृति का संरक्षण एवं अपनी सांस्कृतिक धरोहर से भावी पीढ़ी को अवगत कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनेक महत्वपूर्ण स्मारकों का संरक्षण, संग्रहालयों एवं सांस्कृतिक केन्द्रों आदि की स्थापना का कार्य किया जा रहा है।
- बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर द्वारा देश एवं समाज के उत्थान हेतु की गयी सेवाओं के अनेक आयाम है। युवा पीढ़ी को डॉ0 आंबेडकर के आदर्शों से परिचित कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ में भारतरत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण एक प्रेरणा स्थल के रूप में कराया जा रहा है।
- ऐशबाग, लखनऊ में 1.34 एकड़ क्षेत्र में भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के निर्माण हेतु भूमि चयनित कर ली गयी है।
- सांस्कृतिक केन्द्र में प्रवेश द्वार के ठीक सामने भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर जी की 25 फीट ऊँची प्रतिमा की स्थापना के साथ ही बाबा साहब की पवित्र अस्थियों का कलश भी दर्शनार्थ स्थापित किया जायेगा।
- सांस्कृतिक केन्द्र में पुस्तकालय, शोध केन्द्र, अत्याधुनिक प्रेक्षागृह, आभासी संग्रहालय, डॉरमेट्री, कैफेटेरिया, भूमिगत पार्किंग एवं अन्य जनसुविधाएं भी विकसित की जायेंगी।
- भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का शिलान्यास माननीय राष्ट्रपति महोदय के कर-कमलों से किया जायेगा।